

बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'

(जन्म : सन् 1897 ई., निधन : सन् 1960 ई.)

बालकृष्ण शर्मा का जन्म मध्य प्रदेश के शाजापुर परगने के मदाना गाँव में हुआ था। ग्यारह वर्ष की आयु में इनकी शिक्षा आरंभ हुई। ये उच्च शिक्षा के लिए कानपुर आये किन्तु गाँधीजी के आह्वान पर वे कॉलेज छोड़कर राजनीति में सक्रिय हुए। स्वतंत्रता आंदोलन का इन पर गहरा प्रभाव पड़ा। इसीलिए राष्ट्रभक्ति और अन्याय के प्रति विद्रोह की चिनगारी इनके भीतर प्रकट हुई। अपने लंबे राजनीतिक जीवन के दौरान इन्हें कई बार जेल जाना पड़ा। ये लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य भी रह चुके हैं। कुछ समय तक इन्होंने 'प्रभा' और 'प्रताप' पत्रों का संपादन भी किया। भारत सरकार द्वारा इन्हें 'पद्मभूषण' से सम्मानित किया गया।

'कुंकुम', 'रश्मिरेखा', 'उर्मिला' तथा 'हम विष-पायी जनम के' आदि इनकी सुप्रसिद्ध रचनाएँ हैं।

'भारतवर्ष हमारा है' काव्य राष्ट्रप्रेम से भरपूर है। स्वतंत्रता की लहर से भारत के नवनिर्माण के लिए कवि ने आह्वान किया है। कवि ने यहाँ जनमन के उत्साह को व्यक्त किया है।

कोटि-कोटि कंठों से निकली आज यही स्वरधारा है,
भारतवर्ष हमारा है, यह हिन्दुस्तान हमारा है।

जिस दिन सबसे पहिले जागे, नव सिरजन के स्वप्न घने,
जिस दिन देश-काल के दो-दो, विस्तृत विमल वितान तने,
जिस दिन नभ के तारे छिटके, जिस दिन सूरज-चाँद बने।

तब से है यह देश हमारा, यह अभिमान हमारा है,
भारतवर्ष हमारा है, यह हिन्दुस्तान हमारा है।

जब कि घटाओं ने सीखा था, सबसे पहले घहराना,
पहिले-पहल हवाओं ने जब सीखा था, कुछ हहराना,
जब कि जलधि सब सीख रहे थे, सबसे पहिले लहराना,

उसी अनादि-आदि क्षण से यह जन्मस्थान हमारा है,
भारतवर्ष हमारा है, यह हिन्दुस्तान हमारा है।

गरज उठे ब्यालीस कोटिजन, सुन ये वचन उछाह-भरे,
काँप उठे प्रतिपक्षी जन-गण, उनके अंतस्तल सिहरे,
आज नये युग के नयनों से ज्वलित अग्नि के पुंज भरे।

कौन सामने आयेगा, यह देश महान् हमारा है
भारतवर्ष हमारा है, यह हिन्दुस्तान हमारा है।

शब्दार्थ

कोटि करोड़ सिरजन सृजन, रचना घहराना उमड़ना हहराना हवा के तेज चलने से होनेवाली आवाज़ अनादि अनंत काल से, अति प्राचीन उछाह उत्साह, उल्लास प्रतिपक्षी विरोधी अंतस्तल हृदय सिहरना काँपना पुंज समूह

स्वाध्याय

1. निम्नलिखित प्रश्नों के एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

- (1) करोड़ों कंठों से क्या आवाज़ उठी ?
- (2) हिन्दुस्तान के प्रति जनता का अभिमान कब से है ?
- (3) नवयुग के नयनों में क्या भरा है ?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

- (1) 'भारतवर्ष हमारा है' यह स्वरधारा किसकी है ?
- (2) नवसर्जन के स्वप्न कब से जागे ?
- (3) भारतवर्ष हमारा जन्मस्थान कब से है ?
- (4) करोड़ों लोगों के उत्साह भरे वचन क्या थे ?
- (5) कवि भारत का प्रतिपक्षी किसे मानते हैं ?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के चार-पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए :

- (1) हिन्दुस्तान हमारा है - स्वरधारा किसकी और कब से है ?
- (2) कवि बालकृष्ण 'नवीन' - भारत के लिए क्या कहते हैं ?

4. निम्नलिखित का भावार्थ स्पष्ट कीजिए :

गरज उठे ब्यालीस कोटिजन, सुन ये.....

..... हिन्दुस्तान हमारा है ।

योग्यता-विस्तार

- 'मेरा भारत' विषय पर निबंध लिखिए ।
- स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देश के विकास की जानकारी प्राप्त करें ।
- 'भारतवर्ष हमारा है' कविता को कंठस्थ कीजिए ।

शिक्षक-प्रवृत्ति

- राष्ट्रभक्ति के गीतों का हस्तलिखित ग्रंथ तैयार करवाइए ।

